नए वर्ष में नई पहल – के अंतर्गत

“***नए वर्ष की सौगात – ईश्वर का साथ*** ” कार्यक्रम का आयोजन ….

नीलबडn भोपाल 31 दिसम्बर 2017 , ब्रह्माकुमारिज़ ईदगाह हिल्स भोपाल के उप सेवाकेंद्र नीलबड स्थित मैडिटेशन रिट्रीट सेंटर में नए वर्ष की पूर्व बेला पर नए वर्ष की सौगात - ईश्वर का साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे लगभग 500 भाई बहनों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ लिया , तथा विशेष अतिथि के रूप में एस. के. श्रीवास्तव भूतपूर्व अतिरिक्त सचिव मध्य प्रदेश शासन एवं राजेश गुप्ता ओ.एस.डी.To सी.एम्. भी उपस्थित हुए |

कार्यकर्म की शुरुआत ईदगाह हिल्स सेवाकेंद्र प्रभारी आदरणीय राजयोगिनी बी. के. नीता दीदी जी की उपस्थिति में विशेष अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन करते हुए की गई , सभी के स्वागत में एक स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया | तत्पश्चात कार्यक्रम के विषय नए वर्ष की सौगात ईश्वर का साथ के उपर प्रकाश डालते हुए बी. के. साक्षी बहन नए बताया कि सौगात या उपहार हमारे आतंरिक प्रेम व सम्मान एवं शुभभावनाओ का प्रतीक है जो दोनों पक्षों को ख़ुशी देता है और ख़ुशी हमारे जीवन का मूल उद्देश्य है

अगर आने वाले नये वर्ष में ईश्वर का साथ हमे मिल जाये तो ये सबसे अमूल्य उपहार होगा जो सभी चाहते है , ईश्वर के साथ से नए वर्ष में सदा जीवन में सुख शांति व आनंद बना रहेगा क्योकि ईश्वर का साथ सबसे सच्चा , विश्वसनीय व शक्तिशाली साथ हे कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थिति हुए

एस. के. श्रीवास्तव , ( भूतपूर्व अतिरिक्त सचिव म.प्र. शासन ) सभा को सम्भोदित करते हुए सभी का ध्यान माननीय प्रधान मंत्री के द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छ भारत अभियान की ओर खिचवाते हुए कहा कि

हमारे आस पास स्वछता बनाये रखना हम सभी का कर्त्तव्य है , हम सभी को इसमे अपना सम्पूर्ण सहयोग देना चाहिए , हम सभी के सहयोग से स्वच्छ भारत अभियान स्वर्णीम एवं सुखमय भारत बनाने में अवश्य सफल होंगे |

आगे कार्यक्रम में विशेष अतिथि राजेश गुप्ता जी (O S D To C M) ने कुछ लयबद्ध पंक्तियों के माध्यम से लोगो को ये संदेश दिया कि हमारे श्रेष्ठ कर्म ही हमारे श्रेष्ठ जीवन एवं ख़ुशी का आधार है | श्रेष्ठ कर्मो से ही हमे अपने जीवन को प्रेरणादायक एवं यादगार बनाना , परमात्मा अगर हमारे साथ है तो हम सदा ही श्रेष्ठ कर्म करते रहेंगे | कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बी. के. राम कुमार भाई जी ने ईश्वर का साथ पाने की विधि की चर्चा की , उन्होंने बताया कि राजयोग ही वो विधि है जिससे हम ईश्वर का साथ पा सकते है , उन्होंने इसे बहुत सहज बताया , परमात्मा को सत्य स्वरुप में पहचानकर मन ही मन ही उसे स्नेह से याद करना ही ईश्वरीय मिलन अथवा राजयोग है , स्नेहयुक्त ईश्वरीय स्म्रति ही इश्वर का साथ है | कार्यक्रम के अंत में सेवाकेंद्र प्रभारी आदरणीय बी.के. नीता दीदी जी ने नए वर्ष की बधाई देते हुए सभी को अपने विचारो को स्वच्छ बनाने के लिए कहा , आंतरिक स्वच्छता ही हमारी सच्ची ख़ुशी का आधार है , नये वर्ष में ये सबसे अच्छी पहल होगी , परम पवित्र परमात्मा का साथ हमारे विचारो की शुद्धि में सबसे ज्यादा मददगार है , आदरणीय दीदी जी नए सभी को ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद देकर कार्यक्रम का समापन किया |